भीलवाड़ा फोकस

भीलवाड़ा की बात, फोकस के साथ.....

RNI No. : RJHIN/25/A0890

वर्ष - 01 | अंक - 340 | बिजौलिया - बुधवार, 24 जून ,2026 | मूल्य - 1 रुपया | मो.- 86967 95959 | पृष्ठ - 4 | WWW.BHILWARAFOCUS.COM

पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत बोले 'एमएलए-एमपी घोड़े-गधे की तरह बिक रहे',

कहा- भ्रष्टाचार ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, कानून-व्यवस्था बदहाल; पेंशन, पानी संकट और एलिवेटेड रोड को लेकर भी साधा निशाना

भीलवाड़ा फोकस @ जोधपुर ।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को जोधपुर में भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था, पेंशन योजनाओं, पानी संकट और लोकतांत्रिक मूल्यों के मुद्दे पर सरकार को घेरा। गहलोत ने कहा कि देश में आज जनप्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त आम हो गई है और 'एमएलए-एमपी ऐसे बिक रहे हैं जैसे घोड़े, गधे, भैंस और बकरी बिकते हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि राजस्थान में भ्रष्टाचार ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश हो रही है।

जोधपुर के सर्किट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए गहलोत ने कहा कि ऑपरेशन लोटस को लेकर उनका मुंह न खुलवाया जाए। उन्होंने कहा कि जनता को इस स्थिति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, अन्यथा लोकतंत्र का भविष्य संकट में पड़ सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि हत्या, दुष्कर्म और फायरिंग जैसी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। जोधपुर में हाल ही में हुई फायरिंग की घटना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अपराधियों ने पीड़ितों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा और गोलीबारी की, जो प्रदेश की बिगड़ती कानून-व्यवस्था का उदाहरण है।

गहलोत ने भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हर राज्य में भ्रष्टाचार की शिकायतें होती हैं, लेकिन राजस्थान में वर्तमान सरकार के दौरान हालात बेहद चिंताजनक हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आम लोगों को न्याय और प्रशासनिक कार्यों के लिए भी परेशान

होना पड़ रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस सरकार की योजनाओं को बंद किए जाने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हाल ही में उदयपुर और जालोर के दौरे के दौरान उन्हें ऐसे बुजुर्ग मिले जिन्हें तीन-चार महीने से पेंशन नहीं मिली है। उन्होंने दावा किया कि लोगों में सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा एलिवेटेड रोड परियोजना को लेकर लगाए गए आरोपों का जवाब देते हुए गहलोत ने कहा कि इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने स्वयं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड का निर्णय उनकी पहल पर हुआ था और उन्होंने कभी भी परियोजना में बाधा नहीं डाली।

गहलोत ने जोधपुर भाजपा में कथित गुटबाजी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि पार्टी के विधायक स्वयं कार्यक्रमों से दूरी बना रहे हैं और यह स्थिति सरकार की अंदरूनी कमजोरी को दर्शाती है।

पेयजल संकट पर उन्होंने कहा कि जोधपुर सहित प्रदेश के कई क्षेत्रों में लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इस गंभीर मुद्दे को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दे रही है, जबकि आमजन को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

टंकी के बालाजी के पास आलू से भरा ट्रोला पलटा, सड़क पर बिखरी बोरियां, मची अफरा तफरी,ड्राइवर चोटिल

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा

पुनित चपलोत

शहर के कोटा बाईपास स्थित टंकी के बालाजी के पास मंगलवार सुबह एक आलू से भरा ट्रोला अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ट्रोले में लदी आलू की बोरियां सड़क पर बिखर गईं।

गनीमत रही कि दुर्घटना के समय आसपास कोई वाहन या राहगीर मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

जानकारी के अनुसार ट्रोला अजमेर की ओर से भीलवाड़ा कृषि उपज मंडी की तरफ आ रहा था। इसी दौरान टंकी के बालाजी के निकट चालक का वाहन पर नियंत्रण बिगड़ गया और ट्रोला सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया तथा सड़क पर आलू की बोरियां फैल गईं।

सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली। बाद में क्रेन की सहायता से पलटे हुए ट्रोले को सीधा कराया गया। दुर्घटना में चालक को मामूली चोटें आई। यह हादसा एक बार फिर कोटा बाईपास पर भारी वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाही को लेकर सवाल खड़े करता है। सुबह के समय यातायात कम होने के कारण बड़ा नुकसान टल गया, लेकिन यदि यह दुर्घटना व्यस्त समय में होती तो स्थिति गंभीर हो सकती थी।

यमुना का पानी मिलने की राह हुई आसान, एमओए के अहम बिंदुओं पर बनी सहमति

दिल्ली में राजस्थान-हरियाणा और केंद्र की अहम बैठक, शेखावाटी सहित प्रदेश के लाखों लोगों को मिलेगा लाभ

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर/नई दिल्ली

राजस्थान को यमुना जल उपलब्ध कराने की दिशा में मंगलवार को बड़ा कदम आगे बढ़ा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ यमुना जल परियोजना को लेकर महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में परियोजना के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए मेमोरेंडम ऑफ एग्रीमेंट (एमओए) के महत्वपूर्ण बिंदुओं को अंतिम रूप दिया गया।

बैठक के बाद केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर जल संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन की दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यमुना जल परियोजना के तहत पानी को पारंपरिक नहरों के बजाय पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से पहुंचाने का प्रस्ताव है, जिससे जल संरक्षण के साथ वितरण व्यवस्था अधिक प्रभावी और व्यापक होगी।

किशाऊ बांध परियोजना पर भी बनी सहमति

बैठक में किशाऊ बांध परियोजना से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री पाटिल ने बताया कि परियोजना से जुड़े छह राज्यों के अधिकांश मुद्दों का समाधान हो चुका है और शीघ्र ही इससे संबंधित एमओए पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे। परियोजना के पूर्ण होने पर राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा सहित अन्य राज्यों को भी पर्याप्त जल उपलब्ध हो सकेगा।

शेखावाटी क्षेत्र के लिए वरदान साबित होगी परियोजना

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यमुना जल परियोजना राजस्थान, विशेषकर शेखावाटी क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी तथा लाखों लोगों के जीवन स्तर

में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र और हरियाणा सरकार के सहयोग से परियोजना को जल्द धरातल पर उतारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दशकों से लंबित परियोजनाओं को गति मिल रही है और राज्यों के बीच जल विवादों का सकारात्मक समाधान निकल रहा है। राजस्थान लंबे समय से अपने हिस्से के यमुना जल की मांग कर रहा था और अब इस दिशा में ठोस प्रगति दिखाई दे रही है।

किसानों, उद्योगों और आमजन को मिलेगा फायदा

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि परियोजना के लागू होने के बाद राजस्थान को अपने हिस्से का पानी मिलने लगेगा, जिससे किसानों को सिंचाई, उद्योगों को जल उपलब्धता और आमजन को पेयजल के क्षेत्र में बड़ा लाभ मिलेगा। साथ ही प्रदेश में जल प्रबंधन व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

हर व्यक्ति तक पानी पहुंचाना लक्ष्य : सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हर व्यक्ति तक पानी पहुंचाने के लक्ष्य के साथ राज्य सरकारें कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि रेणुका, लखवार और किशाऊ बांध परियोजनाओं के माध्यम से राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा के लोगों को लाभ मिलेगा। बैठक में वर्षा जल को संरक्षित कर राजस्थान तक पहुंचाने की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में केंद्र सरकार, राजस्थान के जल संसाधन विभाग तथा हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

गरीबों को उजाड़ने की कोशिश बर्दाश्त नहीं, 25 जून को होगा बड़ा आंदोलन : गुंजल

भीलवाड़ा फोकस @ कोटा।

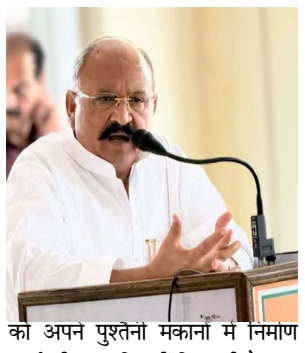

गर्वित । कांग्रेस नेता प्रहलाद गुंजल ने केडीए और वन विभाग की कार्रवाई को गरीबों, पशुपालकों और कमजोर वर्ग के लोगों पर अन्याय बताते हुए सरकार और जिला प्रशासन पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्षों से बसे लोगों के मकान और बाड़े तोड़े जा रहे हैं तथा उन्हें उनके पुश्तैनी ठिकानों से बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके विरोध में 25 जून को संभागीय आयुक्त कार्यालय का घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

गुंजल ने कहा कि केडीए और वन विभाग अतिक्रमण हटाने के नाम पर गरीब परिवारों और पशुपालकों को परेशान कर रहे हैं। बरसों से जिन क्षेत्रों में लोग रह रहे हैं, वहां से उन्हें हटाने की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि कई स्थानों पर बाड़ों और मकानों पर बुलडोजर चलाकर लोगों को बेघर किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि कोटा और बूंदी जिले के कई गांवों में हालात ऐसे बन गए हैं कि पशुपालकों को पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पहले ग्रामीणों के पशु वन क्षेत्रों में चरते थे और महिलाएं लकड़ियां एकत्र कर परिवार का भरण-पोषण करती थीं, लेकिन अब वन विभाग की सख्ती के कारण लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। गुंजल ने आरोप लगाया कि खातेदारी भूमि होने के बावजूद लोगों को अपने पुश्तैनी मकानों में निर्माण कार्य की अनुमति नहीं मिल रही है। वन विभाग कई स्थानों पर जमीन को अपनी सीमा में बताकर लोगों के अधिकारों पर रोक लगा रहा है। उन्होंने कहा कि किसी आदिवासी की बकरी भी वन क्षेत्र में चली जाए तो जुर्माना वसूला जाता है, जिससे गरीब वर्ग परेशान है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि सरकार और प्रशासन हिटलरशाही रवैया अपना रहे हैं। यदि लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। उन्होंने कहा कि 25 जून को संभागीय आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना देकर ज्ञापन सौंपा जाएगा। प्रशासन ने मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो व्यापक जन आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान पार्टी में गुटबाजी को लेकर पूछे गए सवाल पर गुंजल ने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता एक मंच पर मिलकर काम कर रहे हैं तथा सब कुछ ठीक चल रहा है।

जनहित के भूमि आवंटन प्रकरणों को मिलेगी गति, मंत्रिमंडलीय उप-समिति ने की विस्तृत समीक्षा

शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण और शहरी विकास से जुड़े मामलों पर चर्चा, पात्र प्रकरणों के त्वरित निस्तारण के निर्देश

भीलवाड़ा फोकस @ जयपुर ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा जनहित एवं विकास कार्यों को गति देने के उद्देश्य से मंगलवार को शासन सचिवालय में मंत्रिमंडलीय उप-समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक कल्याण, औद्योगिक विकास एवं सार्वजनिक उपयोग की संस्थाओं के लिए रियायती दरों पर भूमि आवंटन से जुड़े विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा की गई। समिति ने पात्र मामलों में नियमानुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा जनोपयोगी परियोजनाओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में हुई बैठक में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत तथा नगरीय विकास एवं आवासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े संस्थानों के भूमि आवंटन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। समिति ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए ताकि आमजन को बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल सके।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार को लेकर भी बैठक में विशेष चर्चा हुई। समिति ने चिकित्सा संस्थानों में राज्य सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं, विशेषकर मा योजना एवं आरजीएचएस के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर देते हुए अधिकाधिक लोगों तक इनका लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए।

शहरी विकास से जुड़े मुद्दों पर समिति ने

शहरी सेवा अभियान के तहत पट्टों के वितरण, लंबित प्रकरणों के निस्तारण तथा नागरिकों को राहत पहुंचाने वाले प्रावधानों के प्रभावी उपयोग पर बल दिया। इसके साथ ही औद्योगिक एवं व्यापारिक संगठनों के भवन निर्माण से जुड़े मामलों में प्रक्रियाओं के सरलीकरण, किश्तों में भुगतान और ग्रेस पीरियड जैसी सुविधाओं पर भी सकारात्मक चर्चा की गई।

बैठक में नगरीय कराधान एवं शुल्क निर्धारण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पारदर्शी और व्यावहारिक प्रणाली विकसित करने के लिए आवश्यक प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। साथ ही विभिन्न संस्थागत, शैक्षणिक एवं सामाजिक उपयोग के भूमि आवंटन मामलों में आरक्षित दरों से छूट के प्रकरणों पर भी विचार किया गया।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और शहरी आधारभूत ढांचे को मजबूत बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि जनोपयोगी परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से आगे बढ़ाकर आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है।

'भीलवाड़ा फोकस'

अपने शहर और गाँव के समाचार, सूचनाएँ, सार्वजनिक घोषणाएँ या विज्ञापन प्रकाशित करवाने के लिए संपर्क करें।

Mo.– 8696795959

Bhilwarafocus@gmail.com

BHILWARA Focus

भीलवाड़ा की बात,फोकस के साथ

न एनओसी, न सुरक्षा इंतजाम; निगम ने कोचिंग, होटल और रेस्टोरेंट किए सीज

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

लखनऊ में कोचिंग सेंटर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद भीलवाड़ा नगर निगम ने शहर में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की पड़ताल शुरू कर दी है। मंगलवार को निगम की टीम ने विभिन्न कोचिंग संस्थानों, होटलों और रेस्टोरेंट्स का निरीक्षण किया। जांच के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी सामने आने पर एक कोचिंग सेंटर, दो रेस्टोरेंट और एक होटल को सीज कर दिया गया।

नगर निगम की फायर सेफ्टी शाखा और अतिक्रमण निरोधी दस्ते ने बड़ला चौराहा स्थित राजस्थान कोचिंग सेंटर से अभियान की शुरुआत की। निरीक्षण में संस्थान के पास फायर एनओसी और पर्याप्त अग्निशमन उपकरण नहीं पाए गए। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व में नोटिस जारी कर आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन निर्धारित समय में पालन नहीं होने पर सीलिंग की कार्रवाई की गई।

इसके बाद टीम नागौरी गार्डन स्थित सांवरिया रेस्टोरेंट पहुंची। यहां भी अग्निकांड जैसी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं मिले। सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर प्रतिष्ठान को सीज कर दिया गया।

अभियान के दौरान रोडवेज बस स्टैंड क्षेत्र में स्थित एक रेस्टोरेंट का भी निरीक्षण किया गया। यहां फायर एनओसी और सुरक्षा उपकरणों का अभाव मिलने पर निगम ने कार्रवाई करते हुए रेस्टोरेंट को बंद करवा दिया। अधिकारियों के अनुसार इस प्रतिष्ठान को भी पहले चेतावनी और नोटिस दिए जा चुके थे।

निगम की टीम ने इसके बाद पार्क पिंक होटल का निरीक्षण किया, जहां अग्निशमन उपकरणों के साथ-साथ आपातकालीन निकास व्यवस्था भी मानकों के अनुरूप नहीं मिली। सुरक्षा में गंभीर खामियों को देखते हुए होटल को तत्काल प्रभाव से सीज कर दिया गया।

फायर सेफ्टी अधिकारी छोटूराम ने बताया कि निगम क्षेत्र में संचालित कोचिंग संस्थानों, होटलों और रेस्टोरेंट्स की लगातार जांच की जा रही है। जिन प्रतिष्ठानों को पहले नोटिस जारी किए गए थे, उनके यहां पुनः निरीक्षण किया जा रहा है। सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाए जाने पर नियमानुसार सीजिंग की कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

रूट विवाद को लेकर ऑटो चालकों का प्रताप नगर थाने पर प्रदर्शन,दी आंदोलन की चेतावनी

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनित चपलोत

शहर में ऑटो चालकों के बीच रूट संचालन को लेकर बढ़ते विवाद के बीच बड़ी संख्या में ऑटो चालक प्रताप नगर थाने पहुंचे और प्रदर्शन कर अपनी मांगों को लेकर पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।

प्रदर्शन कर रहे ऑटो चालक रोहित जोशी ने बताया कि वे और उनके साथी वर्षों से महाराणा टॉकीज से रीको क्षेत्र तक निर्धारित रूट पर ऑटो संचालन कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उनका आरोप है कि पिछले कुछ समय से अन्य रूटों के ऑटो चालक उनके क्षेत्र में आकर सवारियां उठा रहे हैं, जिससे विवाद की स्थिति पैदा हो रही है।

ऑटो चालकों का कहना है कि बाहरी रूट के कुछ चालक सवारियों के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट जैसी घटनाओं में भी शामिल रहते हैं। ऐसे मामलों का गलत असर उनके रूट पर काम करने वाले चालकों की छवि पर पड़ रहा है और आम जनता में उनकी बदनामी हो रही है।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि निर्धारित रूट व्यवस्था का सख्ती से पालन कराया जाए तथा अन्य रूटों के ऑटो चालकों को उनके क्षेत्र में अवैध रूप से संचालन करने से रोका जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि यदि किसी अन्य रूट का चालक कोई गलत हरकत करता है तो उसकी जिम्मेदारी उसी पर तय की जाए और निर्दोष चालकों को परेशान नहीं किया जाए। प्रदर्शन के दौरान ऑटो चालकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आगे भी आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे।

बिजली लाइन की चपेट में आया डंपर, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

मिट्टी डालते समय डंपर का ऊपरी हिस्सा विद्युत तार से टकराया, चालक ने कूदकर बचाई जान

भीलवाड़ा फोकस @ बीगोद।

कस्बे में मंगलवार को एक बड़ा हादसा उस समय टल गया जब सड़क किनारे मिट्टी डाल रहा एक डंपर अचानक हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। घटना नेशनल हाईवे स्थित यश भवन के समीप हुई, जहां डंपर का पिछला हिस्सा ऊपर उठाने के दौरान सड़क के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन के संपर्क में आ गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मिट्टी खाली करते समय डंपर का डाला ऊपर उठ रहा था। इसी दौरान वह निकट से गुजर रही बिजली लाइन से टकरा गया, जिससे वाहन में करंट प्रवाहित होने लगा। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए चालक ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए वाहन से छलांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच गई और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। कुछ देर के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि समय रहते स्थिति नियंत्रण में आने से कोई जनहानि नहीं हुई।

हाईवे से गुजर रही बिजली लाइन बनी चिंता का विषय

घटना के बाद क्षेत्रवासियों ने हाईवे के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन की ऊंचाई को लेकर चिंता जताई। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क निर्माण और वाहनों की आवाजाही बढ़ने के बावजूद लाइन की ऊंचाई पर्याप्त नहीं है, जिससे भविष्य में गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

ग्रामीणों एवं क्षेत्रवासियों ने विद्युत विभाग और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि हाईवे से गुजर रही बिजली लाइन को ऊंचा किया जाए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और लोगों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

निर्जला एकादशी पर खाटूधाम जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए रेलवे की विशेष तैयारी

भीड़ प्रबंधन के लिए स्पेशल ट्रेनों का संचालन, सुरक्षा व्यवस्था भी मजबूत

भीलवाड़ा फोकस @ सीकर।

विश्व प्रसिद्ध खाटूश्यामजी मंदिर में निर्जला एकादशी के अवसर पर उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए उत्तर-पश्चिम रेलवे ने विशेष इंतजाम किए हैं। यात्रियों की सुविधा और नियमित ट्रेनों पर अतिरिक्त दबाव कम करने के लिए रेलवे द्वारा विभिन्न रूटों पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूजा मित्तल ने बताया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त रेल सेवाएं शुरू की जा रही हैं, जिससे यात्रियों को सुगम यात्रा सुविधा मिल सके और नियमित रेल सेवाओं पर अधिक भार न पड़े।

रेलवे प्रशासन ने खाटूश्यामजी जाने वाले प्रमुख मार्ग रींगस रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए हैं। इसके तहत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के 50 अतिरिक्त जवानों की तैनाती की गई है, ताकि यात्रियों की आवाजाही व्यवस्थित बनी रहे और किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी स्पेशल ट्रेनों का संचालन निर्धारित तिथियों पर किया जाएगा। ट्रेन संख्या 09633/09634 रेवाड़ी से 26 जून तथा रींगस से 27 जून को चलेगी। वहीं ट्रेन संख्या 09637/09638 रेवाड़ी-रींगस-रेवाड़ी स्पेशल ट्रेन 24, 26 और 29 जून को दोनों दिशाओं में संचालित होगी।

हरियाणा और आसपास के क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 25 से 28 जून तक भिवानी-ढेहर का बालाजी-भिवानी स्पेशल ट्रेन भी चलाई जाएगी। यह ट्रेन भिवानी से देर रात रवाना होकर अगले दिन सुबह ढेहर का बालाजी पहुंचेगी तथा वापसी में सुबह प्रस्थान कर शाम तक भिवानी पहुंचेगी।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह विशेष ट्रेन मार्ग में चरखी दादरी, झाड़ली, कोसली, जाटूसाना, रेवाड़ी, कुंड, अटेली, नारनौल, नीमकाथाना, कांवट, श्रीमाधोपुर, रींगस, गोविंदगढ़ मलिकपुर और चौमूं सामोद सहित विभिन्न स्टेशनों पर ठहराव करेगी। ट्रेन में 10 सामान्य श्रेणी के कोच और 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 12 कोच लगाए जाएंगे।

महेश नवमी पर शिवमय हुआ भीलवाड़ा, मंदिरों में भगवान महेश का अभिषेक, निकली भव्य शोभायात्रा

भगवान महेश की आकर्षक झांकी, बैंड-बाजों की मधुर धुनों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और जय महेश के जयघोषों के बीच निकली शोभायात्रा ने लिया नगरवासियों का मन मोह

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

माहेश्वरी समाज के आराध्य देव भगवान महेश (भगवान शिव) की जयंती महेश नवमी के पावन अवसर पर मंगलवार को भीलवाड़ा शहर धर्म, आस्था और उत्साह के रंगों में रंग गया। माहेश्वरी समाज द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा ने पूरे शहर को शिवमय बना दिया। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता, भगवान महेश की आकर्षक झांकी, बैंड-बाजों की मधुर धुनों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और जयघोषों के बीच निकली इस शोभायात्रा ने नगरवासियों का मन मोह लिया। संयोजक अतुल राठी, नगर अध्यक्ष केदार जागेटिया एवं कार्यवाहक अध्यक्ष केदार गगरानी बताया की शाम 4.30 बजे प्रारंभ हुई शोभायात्रा में समाज के महिला, पुरुष, युवा एवं बालक-बालिकाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु भगवान शिव के भजनों और जयकारों के साथ पूरे मार्ग में भक्ति का वातावरण निर्मित करते रहे। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण भगवान महेश की सुसज्जित एवं मनोहारी झांकी रही, जिसे देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। शहर के प्रमुख मार्गों को भगवा पताकाओं, रंगीन रोशनी और आकर्षक सजावट से विशेष रूप से सजाया गया था। यात्रा मार्ग पर स्थापित लगभग 90 स्वागत द्वारों ने आयोजन की भव्यता को और अधिक बढ़ा दिया। महेश नवमी के अवसर पर शहर में मुख्य चौराहे सजाए गए। जिसमें लाइटे, रंगीन चुन्नियां, जय महेश के मल्टी कलर नारे के बोर्ड लगाये गए। जो आकर्षण का केंद्र लग रहे थे। विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों द्वारा जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। मिडिया प्रभारी पंकज पोरवाल ने बताया की शोभा यात्रा में अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व सभापति रामपाल सोनी, प्रदेश अध्यक्ष राधेश्याम चेचानी, कैलाश कोठारी, रामगोपाल सोमानी राजसमंद, अशोक बाहेती, रमेश राठी सहित सभी पदाधिकारी समाजजन आगे आगे चल रहे थे। उसके बाद महिला पदाधिकारी सीमा कोगटा, भारती बाहेती, निशा काकानी, वीणा मोदी, विनिता तोषनीवाल के साथ ही शोभायात्रा में कई महिला शक्ति ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

भगवान महेश का किया अभिषेक

नगर सचिव सुरेश बिरला, सह संयोजक केजी राठी एवं अर्चित मून्दडा ने बताया की महेश नवमी पर्व पर प्रातःकाल से ही शहर में धार्मिक कार्यक्रमों का दौर प्रारंभ हो गया था। जिला एवं नगर माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में शहर के 15 विभिन्न स्थानों पर भगवान महेश के सामूहिक अभिषेक एवं महाआरती का आयोजन किया गया। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भगवान शिव के जयकारों की गूंज सुनाई देती रही। महेश नवमी महोत्सव ने न केवल माहेश्वरी समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव को प्रदर्शित किया, बल्कि समाज सेवा, आध्यात्मिक चेतना और धार्मिक आस्था का भी सशक्त संदेश दिया। युवा संगठन मंत्री सीए अंकित लखोटिया ने बताया कि मुख्य प्रभारी सुनीत जागेटिया व पुर्व पार्षद केदार जागेटिया के सानिध्य मे मुख्य अभिषेक बालाजी मार्केट स्थित श्री बालाजी मंदिर किया गया। उसके साथ ही पुर के डूंगरी के बालाजी, पुराना शहर पंचमुखी महादेव, संजय कॉलोनी, बापूनगर, आजादनगर, शास्त्रीनगर, भोपालगंज, सुभाषनगर, तिलकनगर तथा अन्य प्रमुख मंदिरों में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान महेश का पूजन-अर्चन कर समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की। पूरे दिन चले धार्मिक आयोजनों और शाम की भव्य शोभायात्रा ने भीलवाड़ा को उत्सवमय बना दिया।

महिला बैंड रहा विशेष आकर्षण का केंद्र, महिलाओं ने संभाली सुर और ताल की कमान

महेश पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा में इस वर्ष 20 महिला सदस्यों का महिला बैंड विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। एक ड्रेस एक वेशभूषा में महिला बैंड अलग ही धुन बजाकर चल रहा था। पारंपरिक एवं धार्मिक धुनों पर महिलाओं द्वारा प्रस्तुत बैंड वादन ने न केवल शोभायात्रा की भव्यता बढ़ाई, बल्कि उपस्थित श्रद्धालुओं और नगरवासियों का मन भी मोह लिया। शोभायात्रा के दौरान महिला बैंड की सदस्याएं एक समान परिधान में सुसज्जित होकर पूरे उत्साह एवं अनुशासन के साथ धार्मिक और देशभक्ति की मधुर धुनें प्रस्तुत कर रही थीं। ढोल, ताशे, ट्रम्पेट एवं अन्य वाद्य यंत्रों की ताल पर महिलाओं की शानदार प्रस्तुति को देखने के लिए मार्ग में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। हर कोई इस अनूठी पहल की सराहना करता नजर आया। भगवान महेश की आकर्षक झांकी, बैंड-बाजों की मधुर स्वर लहरियों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और 'जय महेश' के उद्घोषों के बीच आगे बढ़ रही शोभायात्रा में महिला बैंड ने नई ऊर्जा का संचार किया। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर महिला बैंड का स्वागत किया तथा उनके उत्साहवर्धन के लिए तालियां बजाईं। समाज के वरिष्ठजनों ने बताया कि महिला बैंड की भागीदारी समाज में महिलाओं की बढ़ती सक्रियता, नेतृत्व क्षमता और सांस्कृतिक योगदान का प्रतीक है। महिलाओं ने जिस आत्मविश्वास और समर्पण के साथ अपनी प्रस्तुति दी, वह पूरे आयोजन की यादगार झलक बन गई।

मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा पुष्प वर्षा

मुख्य प्रभारी सुभाष बाहेती ने बताया कि शोभायात्रा के दौरान मार्ग में विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा पुष्प वर्षा कर समाजजनों का भव्य स्वागत किया गया। शहर के प्रमुख मार्गों पर रंग-बिरंगी रोशनी, भगवा पताकाएं और स्वागत बैनर लगाए गए हैं, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय एवं उत्सवमय नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि समाजजनों के उत्साह और सहयोग से इस वर्ष का आयोजन ऐतिहासिक बन गया। श्रद्धा, भक्ति और उत्साह से सराबोर यह आयोजन भीलवाड़ा के धार्मिक इतिहास में लंबे समय तक स्मरणीय रहेगा। शोभायात्रा में पुरुष सफेद पोशाक पहन और महिलाएं पीली साड़ी पहन शोभायात्रा में शामिल हुई। साथ ही शोभा यात्रा में अजमेर से मंगाए बड़े ड्रोन से चौराहे पर गुलाब कि पत्तियों से पुष्प वर्षा की गई।

महाप्रसाद में 18000 माहेश्वरीयों का रामेश्वरम में होगा महासंगम

हरनी महादेव रोड स्थित समाज के रामेश्वरम भवन में महेश नवमी के अवसर पर देर रात 18 हजार स्वजनों का भगवान महेश का महा प्रसादी का महासंगम होगा, जिसमें 22 काउंटर लगाकर विभिन्न महिला व पुरुष क्षेत्रीय सभाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई।

विधिक माप विज्ञान नियमों में होंगे बदलाव, सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित

व्यवसाय सुगमता बढ़ाने एवं अनुपालन भार कम करने के उद्देश्य से प्रस्तावित संशोधन

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा ।

राज्य सरकार ने राजस्थान विधिक माप विज्ञान (प्रवर्तन) नियम, 2011 में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया है। प्रस्तावित बदलाव भारत सरकार की डी-रेगुलेशन एवं कम्प्लायंस बर्डन रिडक्शन पहल तथा जन विश्वास अधिनियम, 2026 के प्रावधानों के अनुरूप किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य व्यवसाय सुगमता को बढ़ावा देना, नियामकीय प्रक्रियाओं को सरल बनाना तथा अनुपालन संबंधी बोझ को कम करना है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत निर्माताओं, मरम्मतकर्ताओं एवं विक्रेताओं के लिए वर्तमान लाइसेंस व्यवस्था के स्थान पर स्व-घोषणा आधारित पंजीकरण प्रमाण पत्र की व्यवस्था लागू करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा लाइसेंस नवीनीकरण की अनिवार्यता समाप्त करने, सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्रों (जीएटीसी) को सत्यापन एवं मुद्रांकन प्रक्रिया में शामिल करने तथा सत्यापन शुल्क का युक्तिसंगत पुनर्निर्धारण करने का प्रस्ताव भी रखा गया है।

संशोधनों में विभिन्न श्रेणी के उल्लंघनकर्ताओं के लिए अनुपातिक शमन शुल्क निर्धारित करने सहित कई अन्य सुधारात्मक प्रावधान भी शामिल किए गए हैं, जिससे नियमों को अधिक व्यावहारिक और व्यवसाय-अनुकूल बनाया जा सके।

राज्य सरकार ने इन प्रारूप नियमों पर सभी हितधारकों, व्यापारिक संगठनों, उद्योग संघों, उपभोक्ता संगठनों एवं आमजन से सुझाव एवं आपत्तियां आमंत्रित की हैं। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं राजस्थान राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से सात दिवस के भीतर अपने सुझाव और आपत्तियां विभाग को प्रेषित कर सकते हैं।

विभागीय अधिकारियों के अनुसार निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त होने वाले सुझावों एवं आपत्तियों पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

QUICK BITES

शाहपुरा की सड़कें गड्ढों में तब्दील, हादसों का डर, कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन बोले - सरकार नहीं सुनेगी तो खुद करेंगे मरम्मत

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा

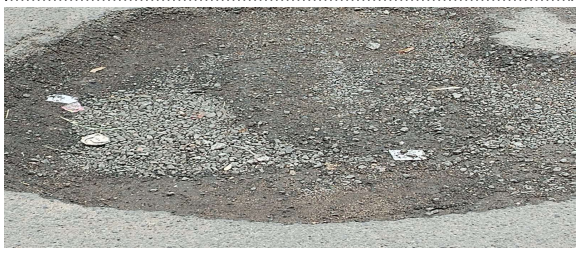

शाहपुरा-शहर की मुख्य सड़कों पर एक-एक फीट गहरे गड्ढे आमजन के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। स्थानीय लोगों ने वीडियो बनाकर सड़कों की जर्जर हालत उजागर की है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि डामर उखड़ने से सड़क तालाब जैसी हो गई है, जिससे दोपहिया वाहन चालक आए दिन दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं।

कांग्रेस नगर अध्यक्ष रमेश सेन ने कहा कि 'शाहपुरा की सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं। सरकार और प्रशासन ध्यान नहीं दे रहा। पट्टे जारी करने और सड़क सुधार जैसे जरूरी काम छूट रहे हैं, जबकि शिविरों में सिर्फ जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र देकर फोटो खिंचवाई जा रही है। '

वरिष्ठ कांग्रेस नेता नगर अध्यक्ष रमेश सेन और नेता प्रतिपक्ष रचना मिश्रा सुनील मिश्रा ने चेतावनी दी कि 'अगर सरकार समय रहते इन गड्ढों को नहीं भरती है तो कांग्रेस अपने स्तर पर छोटे-मोटे गड्ढों की रिपेयरिंग करवाएगी। जनता की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। '

स्थानीय लोग रोजाना इन गड्ढों से गुजरने को मजबूर हैं। बरसात में गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है।

बिन मौसम की बरसात में भी बाजार में पानी भर जाता है जिससे भी शाहपुरा की जनता बाहर रोजी-रोटी के लिए काम पर जाते है तब भी बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है व सुबह जब भीलवाड़ा के लिए लड़के-लडकिया जो कोई नर्सिंग की ट्रेनिग के लिए,कोई एस टी सी,बी एड या फिर रोजगार के लिए जाते है तब भी बाजार में थोड़ी सी बारिस से पानी भर जाने के कारण भी लोगो के कपड़े खराब हो जाते है। प्रशासन ऐसे मुद्दों पर ध्यान दे।

गंगापुर में महेश नवमी पर निकाली भव्य शोभायात्रा

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर

माहेश्वरी समाज गंगापुर द्वारा महेश नवमी को लेकर नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई ! महेश नवमी को लेकर नगर के चारभुजा बड़ा मंदिर से गाजे बाजे के साथ भगवान महेश की भव्य शोभायात्रा निकाली गई,शोभायात्रा में बग्गी में सवार भगवान शंकर की जीवंत झांकी आकर्षण का केंद्र रही। शोभा यात्रा में भगवान महादेव के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा नगर के मुख्य मार्गो से होती हुई पुनः मंदिर पहुंची।जहां महा आरती कर प्रसाद वितरित किया गया शोभायात्रा का मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। शोभायात्रा में सत्यनारायण लढ़ा,मनोहर लाल सोमानी,श्यामलाल समदानी, सत्यनारायण चेचाणी,श्यामलाल बाल्दी,दामोदर कोठारी,रामसहाय मूंदड़ा,शांतिलाल समदानी, विनोद लढ्ढा, लादू लाल जागेटिया,कैलाश सोमानी,रामसहाय भदादा,अर्जुन मूंदड़ा,जुगल किशोर जागेटिया सहित महिला एवं पुरुष मौजूद थे।

बड़लियास में हर्षोल्लास से मनाया गया तहसील स्तरीय महेश नवमी महोत्सव

भीलवाड़ा फोकस @ आकोला

बड़लियास में तहसील स्तरीय महेश नवमी महोत्सव का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कोटड़ी तहसील के विभिन्न गांवों से माहेश्वरी समाज के बड़ी संख्या में समाजबंधुओं एवं प्रबुद्धजनों ने भाग लिया।

कार्यक्रम से पूर्व भगवान महेश की भव्य शोभायात्रा बड़लियास कस्बे के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया तथा अतिथियों एवं समाजबंधुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महेश के समक्ष अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

समारोह में जिला प्रतिनिधि राजेंद्र पोरवाल, महेंद्र काकाणी, रामकिशन सोनी, प्रहलाद नुवाल, मुरलीधर काबरा एवं रामकृष्ण पोरवाल सहित विभिन्न गांवों के समाज प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में तहसील अध्यक्ष महावीर काबरा (पारोली), बड़लियास माहेश्वरी सभा अध्यक्ष महावीर काबरा (बड़लियास), पूर्व तहसील अध्यक्ष शिवनारायण काबरा, , कैलाश मंत्री एवं सी.पी. नामधराणी सहित अनेक गणमान्यजन मंचासीन रहे।

इस अवसर पर समाज के 80 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठजनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। वहीं शिक्षा, खेल एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर समाज का नाम रोशन करने वाले प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप ईनाणी ने किया। समारोह में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि वर्ष 2027 का तहसील स्तरीय महेश नवमी महोत्सव कोटड़ी में आयोजित किया जाएगा।

अंत में माहेश्वरी समाज की ओर से सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया गया।

अग्निवीर प्रशिक्षण पूर्ण कर गांव लौटे अक्षय वैष्णव का भव्य स्वागत

वाहन रैली, पुष्पवर्षा और भारत माता के जयकारों के बीच हुआ सम्मान, जम्मू-कश्मीर में मिली पहली पोस्टिंग

भीलवाड़ा फोकस @ सवाईपुर

(सांवर वैष्णव)। भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित युवा अक्षय वैष्णव के प्रशिक्षण पूर्ण कर पहली बार पैतृक गांव सरदार जी का खेड़ा पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। पूरे गांव में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला और जगह-जगह पुष्पवर्षा, माल्यार्पण एवं साफा पहनाकर उनका अभिनंदन किया गया।

सरदार जी का खेड़ा निवासी संपत वैष्णव के पुत्र अक्षय वैष्णव का चयन दिसंबर 2025 में अग्निवीर योजना के तहत भारतीय सेना में हुआ था। उन्होंने 5 जनवरी से 20 जून तक महाराष्ट्र के अहमदनगर स्थित प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उनकी पहली पोस्टिंग जम्मू-कश्मीर में हुई है।

मंगलवार को गांव पहुंचने पर त्रिवेणी चौराहा पर ग्रामीणों एवं समाजजनों ने अक्षय का फूल-मालाओं और साफा पहनाकर स्वागत किया। इसके बाद वाहन एवं सैनिक सम्मान रैली निकाली गई, जो मानपुरा, महुआ और दौलपुरा होते हुए सरदार जी का खेड़ा पहुंची। मार्ग में विभिन्न सामाजिक संगठनों, ग्रामीणों और युवाओं ने जगह-जगह उनका स्वागत कर शुभकामनाएं दीं।

गांव पहुंचते ही भारत माता और वंदे मातरम् के जयघोष से वातावरण देशभक्ति से सराबोर हो गया। ग्रामीणों ने जुलूस के रूप में अक्षय को गांव में घुमाया तथा पुष्पवर्षा कर सम्मानित किया। घर पहुंचने पर अक्षय ने अपने माता-पिता को आर्मी कैप पहनाकर सम्मान व्यक्त किया।

ग्रामीणों ने बताया कि अक्षय वैष्णव गांव के पहले युवा हैं, जिन्होंने भारतीय सेना में स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि से प्रेरित होकर गांव के अन्य युवा भी सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहे हैं।

स्वागत समारोह के दौरान पूरा गांव देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासियों ने भाग लेकर जवान के उज्ज्वल भविष्य एवं सफल सैन्य सेवा की कामना की।

भीलवाड़ा में होगा अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा का राष्ट्रीय सम्मेलन

देशभर से जुटेंगे समाज के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और समाजबंधु, 20 हजार लोगों की सहभागिता का अनुमान

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

पुनीत चपलोत। राजस्थान प्रांतीय तैलिक साहू महासभा ने वस्त्र नगरी भीलवाड़ा में अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्र कार्यकारिणी बैठक एवं विशाल सामाजिक-राजनीतिक जागरूकता सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया है। प्रस्तावित आयोजन में देशभर से समाज के राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं जिला स्तर के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा समाजबंधु भाग लेंगे। आयोजन की रूपरेखा को लेकर आयोजित बैठक में विस्तृत चर्चा की गई।

महासभा के प्रदेशाध्यक्ष देवीलाल साहू (आसींद) ने बताया कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य तैलिक साहू समाज को सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से अधिक संगठित और जागरूक बनाना है। सम्मेलन के माध्यम से समाज की एकजुटता एवं जनशक्ति का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न स्तरों पर समाज की भागीदारी और प्रतिनिधित्व को सशक्त बनाने का संदेश दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री, विभिन्न राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेताओं, प्रदेशाध्यक्षों, सांसदों, विधायकों, जनप्रतिनिधियों तथा देश के विभिन्न राज्यों से समाज के राष्ट्रीय पदाधिकारियों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया है। इससे समाज की समस्याओं, अपेक्षाओं और सुझावों को सीधे नीति-निर्माताओं तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा।

महासभा पदाधिकारियों के अनुसार सम्मेलन में राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से करीब 20 हजार समाजबंधुओं के शामिल होने की संभावना है। यह आयोजन समाज के इतिहास के प्रमुख आयोजनों में शामिल होगा, जिसमें सामाजिक समरसता, युवा नेतृत्व, शिक्षा, रोजगार, उद्यमिता और राजनीतिक सहभागिता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन किया जाएगा।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी समाज की प्रभावी भागीदारी उसके संगठन और जागरूकता पर निर्भर करती है। ऐसे में यह सम्मेलन समाज के लोगों को एक मंच पर लाकर उनके अधिकारों, कर्तव्यों और भविष्य की दिशा पर विचार-विमर्श का अवसर प्रदान करेगा। साथ ही युवाओं और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने तथा समाज की प्रतिभाओं को आगे लाने की रणनीति पर भी चर्चा की जाएगी।

आयोजन को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए विभिन्न समितियों के गठन, आमंत्रण अभियान, जनसंपर्क एवं व्यवस्थाओं को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। पदाधिकारियों ने समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैठक में जिला अध्यक्ष कैलाश चंद्र शर्मा, राष्ट्रीय युवा उपाध्यक्ष देवराज तेली, एडवोकेट कुशल साहू, प्रहलाद दिया, मोहन दिया, राकेश कुमार तेली, मुकेश कुमार तेली, मनीष मगरिंदा, एडवोकेट प्रताप तेली, किशनलाल तेली, शंकरलाल तेली, सुखदेव जरवाल, दीपक कुमार साहू, रतनलाल तेली, कमलेश तेली, राकेश पचलोड़िया सहित महासभा के अनेक पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे।

तकनीकी शिक्षा से ही युवाओं को मिलेंगे बेहतर अवसर : कैलाश कोठारी

महेश नवमी महोत्सव में 37 प्रतिभावान विद्यार्थियों व 40 वरिष्ठजनों का सम्मान, भव्य शोभायात्रा का हुआ स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ काछोला ।

दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कैलाश कोठारी ने कहा कि वर्तमान दौर तकनीकी विकास का है और भावी पीढ़ी को उच्च शिक्षा के साथ तकनीकी शिक्षा को भी प्राथमिकता देनी चाहिए। तकनीकी ज्ञान युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करता है तथा उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक युग में आगे बढ़ने की क्षमता देता है।

कोठारी काछोला कस्बे में आयोजित तहसील स्तरीय महेश नवमी महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों से पारंपरिक शिक्षा के साथ आधुनिक तकनीकी कौशल विकसित करने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि ज्ञान, कौशल और व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया, ताकि युवा आत्मनिर्भर बनकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज के अध्यक्ष ओमप्रकाश मूंदड़ा ने आभार व्यक्त किया। जिला अध्यक्ष अशोक बाहेती ने जिला सभा की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए समाजजनों से उनका लाभ लेने का आग्रह किया। मुख्य वक्ता जगदीश प्रसाद कोगटा ने मोबाइल के सदुपयोग एवं उसके सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला।

एलन ग्रुप के निदेशक राकेश माहेश्वरी ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में बच्चों के लिए उच्च शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने के लिए प्रेरित किया। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले 37 प्रतिभावान विद्यार्थियों एवं 40 वरिष्ठजनों का प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में अलका लड्ढा, पूर्व प्रधान जितेन्द्र मूंदड़ा, पूर्व अध्यक्ष रमेश बसेर, गोवर्धनलाल झवर, मानसिंह मूंदड़ा, सूरतराम गगरानी, मंत्री ओमप्रकाश लड्ढा तथा भगवान काबरा सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दीपक काबरा ने किया।

इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायक गोकुल शर्मा ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। उनके भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरे आयोजन में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

शोभायात्रा का हुआ भव्य स्वागत

कार्यक्रम से पूर्व भगवान महेश की भव्य शोभायात्रा बैंड-बाजों के साथ निकाली गई। शोभायात्रा मुख्य बाजार से होते हुए सांवरिया रिसॉर्ट पहुंची। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं समाजजनों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। भगवान महेश के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु उत्साहपूर्वक नृत्य करते हुए आगे बढ़ते रहे। शोभायात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण बना रहा।

अग्निवीर पुत्रों के कोटड़ी पहुंचते ही उमड़ा जनसैलाब

सैनिक राजू तेली व राजू माली के सम्मान में निकली भव्य स्वागत यात्रा, वंदे मातरम् और भारत माता के जयकारों से गूंजा कस्बा

भीलवाड़ा फोकस @ कोटड़ी

(राजेन्द्र बबलू पोखरना)। भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित होकर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद अपने गृह कस्बे कोटड़ी लौटे सैनिक राजू तेली एवं राजू माली का मंगलवार को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वागत किया गया। दोनों जवानों के आगमन की सूचना मिलते ही पूरा कस्बा उत्साह, गर्व और देशभक्ति के रंग में रंग गया।

नेहरू नगर पेट्रोल पंप से लेकर श्री चारभुजानाथ मंदिर तक विशाल स्वागत यात्रा निकाली गई। इस दौरान युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर 'वंदे मातरम् ', 'भारत माता की जय ', 'जय श्रीराम' और 'मेरा भारत महान' के गगनभेदी नारों से वातावरण को देशभक्ति से सराबोर कर दिया। यात्रा मार्ग में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर दोनों जवानों का स्वागत किया गया तथा माल्यार्पण, शॉल, दुपट्टा और साफा पहनाकर सम्मानित किया गया।

अग्निवीर सैनिक राजू तेली के कस्बे में पहुंचते ही उनके पिता मिश्रीलाल तेली की आंखें खुशी से छलक पड़ीं। बेटे को सेना की वर्दी में देखकर परिवारजनों का सीना गर्व से चौड़ा हो गया। परिजनों ने बताया कि राजू ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बल पर प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया है और अब देश सेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है।

वहीं अग्निवीर सैनिक राजू माली के घर भी उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। परिजनों एवं ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए समर्पित युवाओं का सम्मान करना पूरे समाज का दायित्व है। अग्निवीर सैनिकों ने अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है तथा वे युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बने हैं। उन्होंने कहा कि सैनिकों के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब समाज की सेना और जवानों के प्रति सम्मान एवं गर्व की भावना को दर्शाता है।

स्वागत समारोह में भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रहलाद सेन, मन की बात कार्यक्रम के मंडल संयोजक अनिल तिवाड़ी, महामंत्री राघव आचार्य, प्रकाश गाड़री, नारायण सिंह, ओम सुवालका, सत्यनारायण तेली, हरिशंकर जाट, भेरूलाल, महावीर माली, सुरेंद्र सुवालका, विष्णु सेन, मुकेश माली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, युवा एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा ने बलिदान दिवस के रूप में मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि

राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए डॉ. मुखर्जी का योगदान अद्वितीय - श्रवणसिंह राव

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा,

भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा प्रदेश प्रकोष्ठ संयोजक श्रवण सिंह राव के मुख्य आतिथ्य, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा की अध्यक्षता एवं पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया, विधायक उदयलाल भडाना, पूर्व महापौर राकेश पाठक, वरिष्ठ नेता पेंटर सूरज के सान्निध्य में मनाई गई।

जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करने के पश्चात आयोजित विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता श्रवण सिंह राव ने कहा कि राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अद्वितीय योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर को पूर्ण रूप से भारत में विलय करने की मांग की। अपने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे के संकल्प के समर्थन में आंदोलन किया और कश्मीर पहुंच गए। जहां उनके आंदोलन को कुचलने के लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में जेल में ही उनका निधन हो गया। यही वजह है कि राष्ट्र प्रथम और अखंड राष्ट्र के भाव के साथ अपने प्राण न्योछावर करने वाले डॉ मुखर्जी की पुण्यतिथि को भाजपा बलिदान दिवस के रूप में मनाती आई है।

पूर्व सांसद सुभाष बहेड़िया ने कहा कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद प्रथम मंत्रिमंडल में डॉ मुखर्जी राष्ट्र के प्रथम उद्योग मंत्री बने और उन्होंने देश के औद्योगिक विकास की नींव रखी। उनका मानना था कि देश की आवश्यकता के हिसाब से उद्योगों का विकास हो, देश आत्मनिर्भर बने और गरीबी कम हो। लेकिन इसके बाद नेहरू और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बीच हुए समझौते के विरोध में उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया और राजनीतिक विकल्प के रूप में राष्ट्रीय विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए 21 अक्टूबर 1951 को भारतीय जनसंघ की स्थापना की और इसके पहले अध्यक्ष बने। भाजपा जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने कहा कि डॉ मुखर्जी के त्याग, समर्पण एवं राष्ट्रसेवा के आदर्श हम सभी को निरंतर प्रेरणा प्रदान करते हैं। उन्होंने जनसंघ को राजनैतिक पार्टी के रूप में नहीं अपितु राष्ट्र निर्माण के आंदोलन में अग्रणी संगठन के रूप में विकसित करने का काम किया। उन्होंने डॉ मुखर्जी की जयंती 6 जुलाई तक जिले के सभी बूथों पर पौधारोपण करने का आह्वान किया।

इससे पूर्व प्रारंभ में अभियान जिला संयोजक भरत सिंह राठौड़ ने सभी का स्वागत किया। आभार सह संयोजक यशोवर्धन सेन ने व्यक्त किया। संचालन जिला महामंत्री प्रहलाद त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री अविनाश जीनगर, अभियान सह संयोजक जगदीश गुर्जर, शुभम शर्मा, जिला उपाध्यक्ष गोपाल तेली, कल्पेश चौधरी, आरती कोगटा, ललिता कंवर, ललित अग्रवाल, अंकुर बोरदिया, मनोज बुलानी, शशांक बिड़ला, अभिश्रुता सोलंकी, रागिनी गुप्ता, बाबूलाल आचार्य, महेंद्र नायक, शंकरलाल जाट सांगवा, भगवत सिंह खैराबाद, घनश्याम सिंगिवाल, इमरान कायमखानी, नागेंद्र सिंह, मुकेश सोनी, ऋतुशेखर शर्मा, नंदलाल गुर्जर, आजाद शर्मा, सीपी जोशी, अर्पित समदानी, रेखा परिहार, ज्योति आशीर्वाद सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जलतरंगों पर शाहपुरा का जलवा- तरणताल में तैराकों ने लगाई रफ्तार की आग, पहले दिन स्वर्णिम प्रदर्शन से चमका भीलवाड़ा

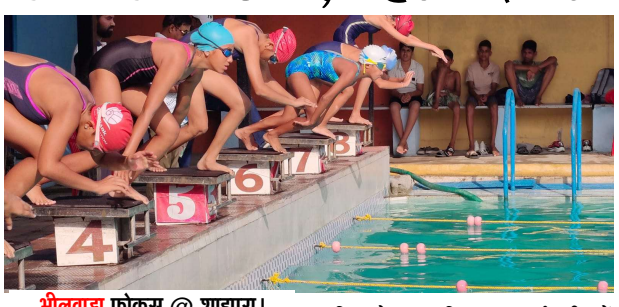

भीलवाड़ा फोकस @ शाहपुरा।

मूलचन्द पेसवानी

पानी की सतह पर उठती लहरें, दर्शकों की तालियों की गूंज और हर स्ट्रोक के साथ बढ़ता रोमांचकृनगर पालिका शाहपुरा के तरणताल में आयोजित जिला स्तरीय जूनियर एवं सब-जूनियर तैराकी प्रतियोगिता का पहला दिन जोश, जुनून और शानदार मुकाबलों का साक्षी बना। जिलेभर से पहुंचे प्रतिभाशाली तैराकों ने अपनी गति, तकनीक और दमखम का ऐसा प्रदर्शन किया कि तरणताल खेल भावना से सराबोर नजर आया।

प्रतियोगिता के पहले दिन विभिन्न आयु वर्गों की स्पर्धाओं में कई तैराकों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया और पदकों पर कब्जा जमाया। हर रेस के साथ रोमांच बढ़ता गया और दर्शकों की निगाहें फिनिशिंग लाइन पर टिक गईं। युवा तैराकों ने साबित कर दिया कि भीलवाड़ा जिला अब तैराकी के क्षेत्र में नई पहचान गढ़ रहा है।

जिला तैराकी संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेश बुलिया ने बताया कि बालक वर्ग तृतीय में विश्व प्रताप सिंह का जलवा सबसे ज्यादा देखने को मिला। उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से 50 मीटर, 100 मीटर और 200 मीटर फ्री-स्टाइल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर प्रतियोगिता में दबदबा कायम किया। विश्व की रफ्तार इतनी तेज रही कि प्रतिद्वंद्वी उनके आसपास भी नहीं टिक सके। इसी वर्ग में पराग उपाध्याय ने ब्रेस्ट स्ट्रोक स्पर्धा में बेहतरीन तकनीक और संतुलन का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। वहीं बैक स्ट्रोक स्पर्धा में वैभव माली और निकुंज गौड़ ने शानदार तैराकी का प्रदर्शन कर दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। उनके स्ट्रोक्स और नियंत्रण ने प्रतियोगिता में रोमांच बढ़ा दिया। बालिका वर्ग तृतीय में भी मुकाबले कम रोमांचक नहीं रहे। इस वर्ग में अवंतिका ओझा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्री-स्टाइल और बैक स्ट्रोक दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। अवंतिका की गति और आत्मविश्वास ने उन्हें प्रतियोगिता की प्रमुख स्टार तैराकों में शामिल कर दिया। इसके अलावा ऊर्जा प्रसाद, अदिति खोलीवाल, लक्षिता माली और मनुश्री चैहान ने भी अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से पदक अर्जित किए। इन बालिका तैराकों ने साबित कर दिया कि आने वाले समय में वे बड़े मंचों पर जिले का नाम रोशन कर सकती हैं। यदि पहले दिन किसी खिलाड़ी ने सबसे अधिक प्रभाव छोड़ा तो वह रहे बालक वर्ग चतुर्थ के अखिल खान। अखिल ने एक के बाद एक शानदार प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर फ्री-स्टाइल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीते। इतना ही नहीं, उन्होंने 100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक तथा 200 मीटर इंडिविजुअल मेडले में भी प्रथम स्थान प्राप्त कर प्रतियोगिता में अपना परचम लहरा दिया। अखिल का प्रदर्शन किसी चैंपियन से कम नहीं रहा।

इस वर्ग में देवराज माली, कृष्णा कर, तेज सिंह और दक्षवीर गांछा ने भी बेहतरीन तैराकी करते हुए मजबूत चुनौती पेश की। इन खिलाड़ियों के बीच मुकाबले बेहद करीबी रहे, जिसने दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंचा दिया।

बालिका वर्ग चतुर्थ में कल्पना कर ने स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए 100 मीटर, 200 मीटर और 400 मीटर फ्री-स्टाइल स्पर्धाओं में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया। उनकी रफ्तार और नियंत्रण ने सभी को प्रभावित किया।

इसके साथ ही शवाना राणावत, रक्षित शर्मा, सुरेश गुर्जर, राधिका शर्मा और अक्षिता माली ने भी शानदार प्रदर्शन कर पदक अपने नाम किए। इन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने साबित कर दिया कि जिले में तैराकी का भविष्य बेहद उज्ज्वल है।

आयोजन समिति के प्रताप सिंह राणावत ने कहा कि जिले के तैराकों का प्रदर्शन उत्साहवर्धक है। खिलाड़ियों की मेहनत और समर्पण को देखकर उम्मीद है कि राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी भीलवाड़ा जिले के तैराक स्वर्णिम सफलता हासिल करेंगे और जिले का नाम गौरवान्वित करेंगे।

आनंद विहार कॉलोनी में जलभराव से हालात गंभीर, नियमितीकरण व सुविधाओं की मांग को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

भीलवाड़ा फोकस @ हमीरगढ़।

आनंद विहार कॉलोनी के निवासियों ने कॉलोनी के नियमितीकरण, मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा जलभराव की गंभीर समस्या के स्थायी समाधान की मांग को लेकर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि आनंद विहार कॉलोनी लगभग वर्ष 2000 में विकसित हुई थी। कॉलोनी में करीब 435 प्लॉट हैं, जिनमें से लगभग 350 परिवार वर्तमान में निवास कर रहे हैं। अधिकांश निवासियों के पास अपने भूखंडों की विधिवत रजिस्ट्री भी उपलब्ध है। कॉलोनी पहले ग्राम पंचायत क्षेत्र में थी, लेकिन वर्तमान में नगर पालिका हमीरगढ़ की सीमा में शामिल होने के बावजूद यहां सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट, सफाई व्यवस्था और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना हुआ है।

निवासियों का कहना है कि कॉलोनाइजर द्वारा कॉलोनी को नगर पालिका को हस्तांतरित नहीं किए जाने का हवाला देकर सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही हैं, जबकि पिछले 25 वर्षों से सैकड़ों परिवार यहां निवास कर रहे हैं।

ज्ञापन में हालिया बारिश के दौरान कॉलोनी में हुए भारी जलभराव का भी उल्लेख किया गया है। निवासियों ने आरोप लगाया कि एक पुराने नाले का मार्ग अवरुद्ध होने से आसपास के क्षेत्रों का पानी कॉलोनी में जमा हो रहा है। इसके कारण कई स्थानों पर तीन फीट तक पानी भर गया है तथा जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

कॉलोनीवासियों ने बताया कि जलभराव के कारण मकानों को नुकसान पहुंचने, संक्रामक बीमारियां फैलने, विद्युत दुर्घटनाओं तथा सांप-बिच्छुओं के खतरे की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने प्रशासन से तत्काल पंपों के माध्यम से जल निकासी करवाने और स्थायी ड्रेनेज व्यवस्था विकसित करने की मांग की है।

ज्ञापन में कॉलोनी का स्थलीय निरीक्षण करवाने, नियमितीकरण की प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने, लंबित प्रशासनिक प्रक्रियाओं को गति देने तथा सड़क, नाली, स्ट्रीट लाइट और सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई है। कॉलोनीवासियों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में भी कई बार संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हो पाया है।

निवासियों ने प्रशासन से जनहित एवं जनसुरक्षा को देखते हुए शीघ्र प्रभावी कार्रवाई करने तथा की गई कार्रवाई की जानकारी लिखित रूप में उपलब्ध कराने की मांग की है।

QUICK BITES

अरनीया में ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित लोगों की समस्याओ का हुआ समाधान

भीलवाड़ा फोकस @ गंगापुर

गंगापुर तहसील सहाड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत अरनिया (खालसा) मे विधायक लादूलाल पितलिया मुख्य आतिथ्य, उपखण्ड अधिकारी विवेक गुर्जर गंगापुर की अध्यक्षता में ग्रामीण सेवा शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जनसमस्याओं का त्वरित निस्तारण तथा राज्य एवं केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाना रहा। शिविर के दौरान विधायक पितलिया की उपस्थिति में विभिन्न विभागों द्वारा लाभार्थियों को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया।मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत अरनिया में पशुपालकों के पशुओं का निःशुल्क बीमा कर बीमा पॉलिसी का वितरण किया गया।

शिविर के दौरान अन्य विभागों द्वारा भी विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया, जिनमें चिकित्सा विभाग द्वारा पोषण किट वितरण, पशुपालन विभाग द्वारा मंगला पशु बीमा योजना, पंचायती राज विभाग द्वारा पट्टा वितरण, लाडो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत ?2500 के चेक का वितरण, कृषि विभाग द्वारा बीज किट वितरण तथा राजस्व विभाग द्वारा आपसी सहमति से बंटवारा कार्य संपादित किया गया तथा नामांतरण के 5, सीमा ज्ञान के 3, आपसी सहमति से विभाजन के 4, फार्मर रजिस्ट्रेशन के 43, खातों के शुद्धिकरण के 14 व रास्ते के 1 प्रकरणो का निस्तारण किया।

अग्निवीर सूरज कुमावत का गुरला में भव्य स्वागत

ट्रेनिंग पूरी कर पहली बार पैतृक गांव लौटने पर ग्रामीणों ने किया अभिनंदन, देशभक्ति के जयघोष से गूंजा क्षेत्र

भीलवाड़ा फोकस @ गुरला ।

भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में चयनित सूरज कुमावत के प्रशिक्षण पूर्ण कर पहली बार पैतृक गांव राजपुरा लौटने पर ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। पूरे क्षेत्र में देशभक्ति का माहौल देखने को मिला और जगह-जगह फूल-मालाओं, साफा एवं ढोल-नगाड़ों के साथ उनका अभिनंदन किया गया।

ग्राम पंचायत रामपुरिया के राजपुरा निवासी शंकरलाल कुमावत के पुत्र सूरज कुमावत के गुरला पहुंचने पर ग्रामीणों ने भारत माता के जयकारों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान फूल-मालाएं पहनाकर, साफा बांधकर तथा ढोल-नगाड़ों एवं डीजे की धुन पर उत्साहपूर्वक उनका सम्मान किया गया।

स्वागत समारोह में राजपुरा निवासी रोशनलाल सेन, श्यामलाल सेन, सोहन जाट, जगदीश जाट, चांदमल गुर्जर, किसान कुमावत सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

महेश नवमी पर्व पर शिव अभिषेक एवं शोभायात्रा का भव्य स्वागत

भीलवाड़ा फोकस @ भीलवाड़ा।

माहेश्वरी युवा संगठन चंद्रशेखर आजाद नगर द्वारा महेश नवमी पर्व श्रद्धा, उत्साह एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। संगठन के युवा अध्यक्ष अंकित सोमानी एवं मंत्री शुभम सोमानी ने बताया कि पर्व के अवसर पर प्रातःकाल स्थानीय शिवालय में भगवान शिव का विधि-विधान से अभिषेक एवं पूजन-अर्चन किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान महेश का जयघोष करते हुए समाज एवं राष्ट्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

सायंकाल नगर में निकली भव्य महेश नवमी शोभायात्रा का संगठन द्वारा पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। शोभायात्रा में भगवान महेश की आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे एवं भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। पूरे क्षेत्र में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण बना रहा।

इस अवसर पर कमलेश काबरा, चंदा जागेटिया, ललिता राठी, दिनेश हेडा, रामनिवास समदानी, श्याम सुंदर सोमानी, रमेश जागेटिया, अशोक बसेर, राहुल सोमानी, अभिषेक जागेटिया, अशोक नौलखा, मितेश सोडाणी, अनिल जेथलिया,आशीष काबरा, हसमुख हेडा, अभिषेक कचोलिया, गिरिराज महेश्वरी, नीतू महेश्वरी, पूजा सोमानी, आभा सोमानी,भगवतीलाल गदिया , विजय बाहेती, रीना बाहेती,सत्यनारायण तोतला सहित माहेश्वरी युवा संगठन, महिला संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी एवं प्रकाशक कपिल विजयवर्गीय के लिए मुद्रक वेदान्त प्रभाकर मेधा कप्यूटर्स एण्ड ऑफसेट प्रिन्टर्स नंदभवन, बड़े पार्क के पास, कांवाखेड़ा भीलवाड़ा (राज.)से मुद्रित व मकान न. - 1 ए - धानमंडी योजना, कोर्ट केसामने बिजौलिया , भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक - श्याम सुन्दर विजयवर्गीय । मो. 8696795959, RNI No. : RJHIN/25/A0890 किसी भी प्रकार के वाद विवाद का न्याय क्षेत्र बिजौलिया जिला - भीलवाड़ा ही रहेगा।